तब - तब ऐसा होता है 21

बिजली धड़ – धड़
बादल गड़–गड़
बूँदें पड़ती
पड़ – पड़, पड़ – पड़
जब बारिश का आए पानी
तब – तब ऐसा होता है

कागज फड़–फड़,
पत्ते खड़ – खड़,
द्वार खिड़कियाँ
भड़ – भड़, भड़ – भड़
जब जोरों की आँधी आती
तब–तब ऐसा होता है।

शिक्षण संकेत :

कविता को लय के साथ याद करवाएँ। बच्चों को ऐसी ध्वन्यात्मक कविताएँ अच्छी लगती हैं। ताली बजाने की आवाज, दरवाजा खटखटाने की आवाज और इसी तरह दैनिक जीवन से संबंधित आवाजों पर आधारित गतिविधि करवाएँ। मौसम के बारे में चर्चा करें।

बरसात से संबंधित चित्रों पर गोल घेरा बनाओ –

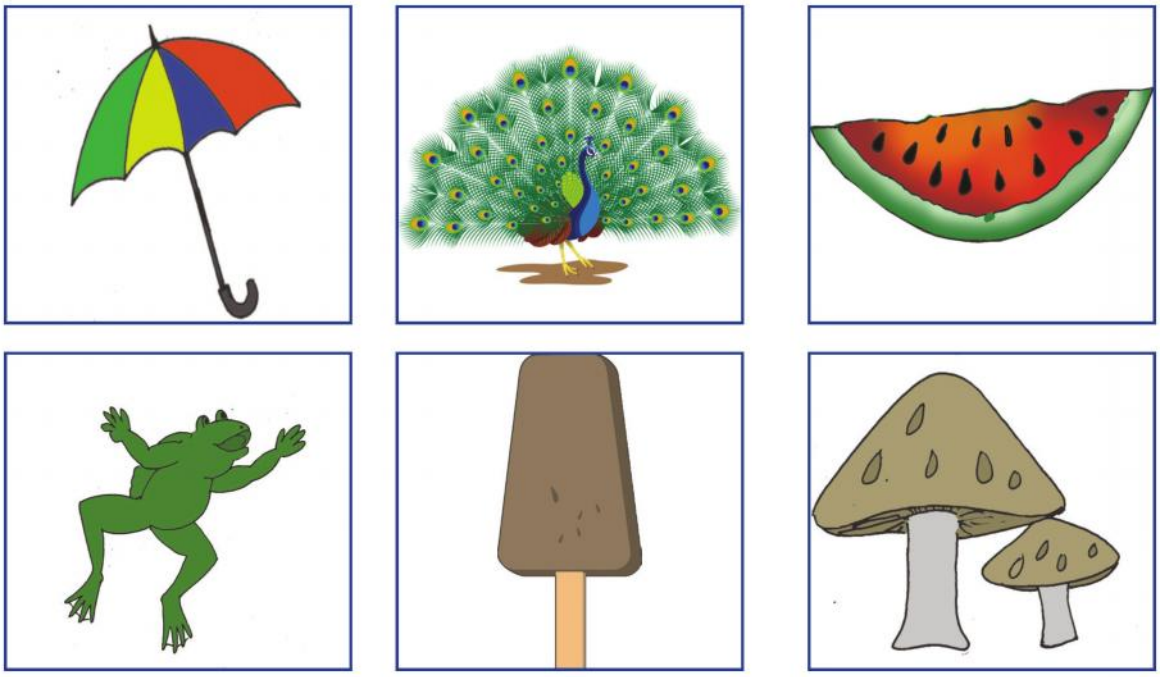

मौसम को पहचानकर जोड़ियाँ बनाओ –

शिक्षण संकेत :

शिक्षक आसपास के वातावरण तथा पर्यावरण पर चर्चा करें।

ढोल बजाओ

ढोल बजाओ ढम, ढम, ढम,
बादल गरजे धम, धम, धम।
बिजली चमके चम, चम, चम,
पानी बरसे छम, छम, छम,
ढोल बजाओ ढम, ढम, ढम।

शिक्षण संकेत :

शिक्षक कविता का सस्वर चाचन करें तथा बच्चों से कराएँ।

कड़छी रानी

बेलन बोला करूँ सगाई,

मैं तो कड़छी रानी से।

कड़छी बोली जा – जा पहले,

मुँह तो धो आ पानी से।

करूँ सगाई मैं तो अपनी,

पलटामल हलवाई से।

दे दिन – रात मुझे खाने को

भर – भर थाल मिठाई के।

शिक्षण संकेत :

शिक्षक कविता का सस्वर चाचन करें तथा बच्चों से कराएँ।

अनुभव - विस्तार

प्रश्न (1) कविता को पढ़कर खाली स्थान पूरे करो –

बेलन बोला .... ।

मैं .... ।

.... पानी से ।

प्रश्न (2) गीत पढ़कर समान तुक वाले शब्द छाँटकर लिखो –

रानी ....

मिठाई ....

प्रश्न (3) ऐसे शब्द लिखो जिसमें अंत में 'ल' हो।

....

....

प्रश्न (4) सही जोड़ी बनाओ –

(1)

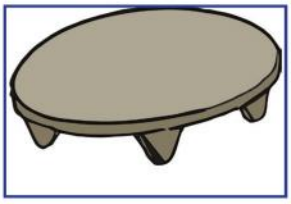

(2)

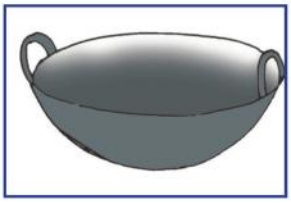

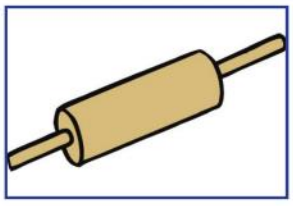

(3)